समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

सेना की वर्दी मे बिटिया का जबर्दस्त स्वागत, पर खुला बड़ा फर्जीवाड़ा ! NCC छात्रा से लाखों की ठगी, 'आर्मी जॉब' का झांसा देकर खेला गया बड़ा खेल

Publisher

Published on 10 Oct 2025

उत्तर प्रदेश में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। **एनसीसी (NCC)** की एक छात्रा ने जब भारतीय सेना में नौकरी पाने की खुशी में सेना की वर्दी पहनकर गांव में कदम रखा, तो लोगों ने फूल-माला पहनाकर उसका स्वागत किया। डीजे बजा, मिठाइयां बंटी, और हर कोई बिटिया की सफलता पर गर्व महसूस कर रहा था। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो पूरे गांव के साथ-साथ प्रशासन के भी होश उड़ गए।

दरअसल, यह पूरा मामला एक **फर्जी आर्मी भर्ती रैकेट** से जुड़ा हुआ निकला। युवती को सेना में भर्ती कराने के नाम पर ठगों ने न सिर्फ **लाखों रुपये** ऐंठ लिए बल्कि उसे झूठी ट्रेनिंग, नकली मेडिकल कैंप और फर्जी अफसरों से मुलाकात तक का पूरा नाटक दिखाया गया। यह फर्जीवाड़ा **उत्तर प्रदेश से लेकर राजस्थान तक फैला** हुआ है, जहां ठगों ने सरकारी दस्तावेज़ों और असली यूनिफॉर्म का इस्तेमाल कर लोगों को विश्वास में लिया।

सेना की वर्दी, नकली कैपं और झूठे अफसर — सबकुछ असली जैसा

छात्रा ने अपने बयान में बताया कि कुछ लोगों ने उसे कहा कि वे सेना में भर्ती की प्रक्रिया से जुड़े हैं और एनसीसी में अच्छे प्रदर्शन के कारण उसका चयन "सीधी भर्ती" में किया जाएगा। इसके लिए उसे मेडिकल, ट्रेनिंग और डाक्यूमेंटेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा। उसे जयपुर में कथित **आर्मी कैपं** में बुलाया गया, जहां नकली अफसरों ने उसका "टेस्ट" लिया। यहां तक कि उसे "आर्मी की ड्रेस" और पहचान पत्र भी दिया गया।

कैंप में प्रशिक्षक बनकर आए लोगों ने खुद को "**सीओ साहब**" बताया और पूरे सम्मान के साथ फर्जी नियुक्ति लेटर भी सौंपा। छात्रा और उसके परिवार ने विश्वास करते हुए ठगों को कुल मिलाकर **3 लाख रुपये से अधिक** दे दिए। यह रकम उन्होंने ट्रेनिंग, यूनिफॉर्म, कैंप फीस और जॉइनिंग शुल्क के नाम पर ली।

गांव मे जंश्न, पर सच आने पर मातम

जब युवती "ट्रेनिंग पूरी करके" गांव लौटी तो परिवार और ग्रामीणों ने खुशी में **फूलों की माला पहनाई, मिठाइयां बांटी** और डीजे बजाया। गांव में खुशी का माहौल था कि अब उनकी बेटी देश की सेवा करेगी। पर कुछ ही दिनों में हकीकत सामने आई जब असली सेना से किसी भी तरह की जॉइनिंग की पुष्टि नहीं हुई।

गांव के लोगों ने स्थानीय प्रशासन से संपर्क किया और फिर सच्चाई का खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि युवती जिन लोगों के संपर्क में थी, वे किसी सरकारी या सैन्य विभाग से नहीं जुड़े थे। उनके सारे दस्तावेज और पहचान पत्र **फर्जी** थे।

फर्जी भर्ती रैकेट का खुलासा

पुलिस जांच में अब यह खुलासा हुआ है कि यह कोई अलग मामला नहीं, बल्कि एक **संगठित फर्जी भर्ती गिरोह** है जो **उत्तर प्रदेश और राजस्थान** के युवाओं को निशाना बना रहा है। यह गिरोह एनसीसी और खेल कोटा के नाम पर युवाओं को आर्मी, एयरफोर्स और नेवी में भर्ती कराने का झांसा देता है। कई बार यह लोग सोशल मीडिया पर "भर्ती एजेंट" बनकर युवाओं से संपर्क करते हैं और फिर धीरे-धीरे उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में कम से कम **पांच लोगों की पहचान हो चुकी है** और उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच टीम अब ठगों के बैंक खातों, मोबाइल रिकॉर्ड और लोकेशन डेटा की जांच कर रही है ताकि पूरे गिरोह का भंडाफोड़ किया जा सके।

NCC और सेना ने दी सख्त चेतावनी

इस मामले के सामने आने के बाद **भारतीय सेना** और **NCC विभाग** ने युवाओं से अपील की है कि वे किसी भी निजी एजेंट या बिचौलिए पर भरोसा न करें। सेना की भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और ऑनलाइन आधारित है, जिसमें किसी भी तीसरे व्यक्ति की भूमिका नहीं होती।

सेना ने यह भी कहा है कि जो लोग यूनिफॉर्म, लेटरहेड या नकली आईडी कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे **देशद्रोह और जालसाजी के गंभीर अपराधी** हैं और उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस जांच मे जुटी, आरोपी फरार

फिलहाल, पीड़ित युवती की शिकायत पर **एफआईआर दर्ज कर ली गई है** और पुलिस ने इस फर्जी भर्ती गैंग की तलाश शुरू कर दी है। कुछ आरोपी राजस्थान और दिल्ली की ओर भागने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने इस पूरे मामले को एक "इंटरस्टेट क्राइम" मानते हुए स्पेशल टीम गठित की है।

परिवार सदमे मे, पर युवती दिखा रही हिम्मत

घटना के बाद पीड़ित युवती और उसका परिवार गहरे सदमे में है। गांव के लोगों का कहना है कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि इतनी सच्चाई और सादगी से भरी बिटिया ऐसे ठगों का शिकार हो जाएगी। हालांकि, युवती अब दूसरों को इस तरह के जाल में फंसने से बचने की सलाह दे रही है। उसने कहा —

> "मेरे साथ जो हुआ, वो किसी और के साथ न हो। आर्मी में भर्ती सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट से ही होती है, किसी एजेंट के भरोसे नहीं।"

सावधानी ही सुरक्षा

यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि देशभर में ऐसे **फर्जी भर्ती रैकेट्स** लगातार सक्रिय हैं, जो देश सेवा का सपना देखने वाले युवाओं को निशाना बना रहे हैं। हर साल हजारों छात्र सेना, पुलिस या अन्य सरकारी सेवाओं में जाने की चाह रखते हैं और ठग इसी भावनात्मक कमजोरी का फायदा उठाते हैं।

सरकार और सेना की ओर से युवाओं को सलाह दी जा रही है कि वे किसी भी भर्ती प्रक्रिया से पहले **वेबसाइट और दस्तावेजों की सत्यता की जांच** अवश्य करें।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect,

publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.